

देहात में महिलाओं में आंख का रोग जो ज्यादा देखने में आता है, वह चूल्हे के धुएँ के कारण होता है। जहाँ जहाँ स्मकोलैस चूल्हे चालू नहीं नहीं हुए, वहाँ धुएँ से आंखों को नुकसान होता है।

**Shrimati Savitri Nigam:** What are the broad features of the trachoma control programme? May I know whether any subsidy is being given to the States or districts where this programme has been taken up?

**डा० सुशीला नायर:** श्रीमन्, जहाँ पर हाईपर-एनडेमिसिटी है यानी जहाँ पर पचाम परसेंट से ज्यादा यह रोग है, ऐसी स्टेट्स और ऐसे हिस्सों में यह कार्यक्रम उठाया गया है। यह प्रोग्राम चार हिस्सों में तक्सीम किया जाता है। पहला तो प्रैपरेटरी फ्रेज होता है और दूसरा एटैक फ्रेज होता है। एटैक फ्रेज में सब की आंखों में यह मल्हम लगाने की बात होती है और पहले हफ्ते में पांच दिन—बेहतर है, सबेरे शाम, या कम से कम रात के वक्त—यह मल्हम लगाया जाता है और इस तरह से एक महीना.....

**अध्यक्ष महोदय:** आप तो डाक्टर की सलाह देने लग गईं।

**डा० सुशीला नायर:** श्रीमन्, आप ने...

**Shri Kapur Singh:** Let us hear it. It is very interesting.

**Mr. Speaker:** No, no. Not here.

आप का यहाँ दिया हुआ नुस्खा सारी दुनियाँ में फैलेगा। शायद कई आप से एग्नी न करते हों। आप यह डाक्टरों की जिम्मेदारी रहने दीजिए।

**डा० सुशीला नायर:** श्रीमन्, यह तो एक्सपर्ट्स की एडवाइस है, जो कि मैं बता रही हूँ।

**Mr. Speaker:** Dr. Colaco.

**Shrimati Savitri Nigam:** Sir, my question has not been answered.

**Mr. Speaker:** Of course, it could not be answered. She would kindly resume her seat.

**Dr. Colaco:** May I know what concrete prophylactic measures have been taken to check this disease, which is widespread?

**Dr. Sushila Nayar:** To treat all the people in the family of the person who has been affected seems to be the only known way of preventing the spread of the disease.

**श्री स० मो० बनर्जी:** मैं यह जानना चाहता हूँ कि अगर काजल या सुरामा लगाया जाये, तो क्या यह बीमारी नहीं होती है।

**अध्यक्ष महोदय:** आप की क्या राय है ?

**श्री स० मो० बनर्जी:** मैं काजल नहीं लगाता हूँ।

**अध्यक्ष महोदय:** अगर आप की राय है कि उस से फायदा होता है, तो मैं मिनिस्टर साहब से रीकमेंड करूँगा कि वह इस पर गौर करें।

**ग्राम्य जल प्रदाय मण्डल**

\*६३४. **डा० लक्ष्मी मल्ल सिंघवी :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ग्राम्य जल प्रदाय मण्डल ने पश्चिमी भारत में जलाभाव और जल प्रदाय की समस्याओं के सम्बन्ध में अभी तक कोई अन्तिम अथवा अन्तरिम प्रतिवेदन दिया है ;

(ख) क्या पश्चिमी भारत की किसी राज्य सरकार ने इस सम्बन्ध में कोई योजना प्रस्तुत की है तथा यदि हाँ, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं ; और

(ग) ग्राम्य जल प्रदाय से सम्बन्धित कौन कौन सी व्यवस्थाएँ अथवा माध्यम हैं तथा इनमें परस्पर समन्वय के लिये क्या क्यह उपाय किए गए हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) :  
(क) से (ग). अपेक्षित सूचना का एक विवरण  
समाप्त पर रख दिया गया है।

#### विवरण

(क) स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा हाल ही में स्थापित किये गये पेय जल बोर्ड ने देश की ग्राम जल प्रदाय को अपने हाथ में ले लिया है और इस बोर्ड ने पश्चिमी भारत में जल की कमी तथा जल प्रदाय की समस्याओं के बारे में अभी तक कोई अन्तरिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है।

(ख) पश्चिमी भारत की किसी राज्य सरकार ने अभी तक इस सम्बन्ध में कोई योजना नहीं भेजी है। १९५६-६० में राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित की गई एक समिति ने राज्य के रेगिस्तानी तथा अर्द्ध-रेगिस्तानी क्षेत्रों में ग्राम जल प्रदाय समिति का स्थूल निर्धारण किया। महाराष्ट्र सरकार ने भी उस राज्य में ग्राम जल प्रदाय स्थिति के सर्वेक्षण के लिए कुछ उपाय शुरू किये थे। पेय जल बोर्ड देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में इस समस्या का, प्राथमिकता के आधार पर, हल करने के लिए एक विशिष्ट योजना तैयार कर रहा है।

(ग) इस समय ग्राम जल प्रदाय योजनाएँ नीचे लिखे वर्गों में से किसी एक वर्ग के अधीन कार्यान्वित की जा रही हैं।

(१) नल जल प्रदाय प्रणालियाँ, जिनके स्वरूप और कार्यविधि में तकनीकी ज्ञान अपेक्षित है, स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय जल प्रदाय एवं सफाई कार्यक्रम के अधीन कार्यान्वित की जा रही हैं। इन में सुरक्षित प्रदूषण के लिए, उसके पहुँचाने तथा वितरण के लिये भूमिगत जल तथा सतह जल स्रोतों का विकास शामिल हो सकता है।

(२) साधारण टाइप, क्रमशः सामुदायिक विकास एवं सहकार मंत्रालय तथा योजना आयोग द्वारा चलाये जा रहे सामुदायिक

विकास तथा स्थानीय विकास-कार्य कार्यक्रमों के अधीन कार्यान्वित किये जा रहे हैं। नये अधिकतया कुओं और ट्यूबवेलों का खोदना शामिल है।

(३) विशिष्ट ग्राम जल प्रदाय इन्स्टालेशन गृह मंत्रालय के नियंत्रण में चलाये जा रहे पिछड़े वर्गों के कल्याण-कार्यक्रम के अधीन हैं इनमें भी अधिकतर कुओं का खोदना तथा स्रोतों का नहरीकरण सम्मिलित है।

इन सब कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामवासी का, उसकी अपनी क्षमता तक, योग प्राप्त करना है, जिसकी अनुपूर्ति राज्य तथा केन्द्रीय सहायता से होगी। जहाँ कहीं सम्भव होगा राष्ट्रीय जल प्रदाय तथा सफाई कार्यक्रम (ग्राम) के अधीन योजनाओं के भाग के रूप में ग्राम परिवारों के उपयोग के लिए सेनिटरी शौच-गर्तों की व्यवस्था सम्मिलित कर दी गई है।

हाल ही में देश में ग्राम जल प्रदाय कार्यक्रम के समन्वय के लिए तथा उसको जल्दी जल्दी आगे बढ़ाने के लिए, जैसे कि नीचे दिया गया है, बहुत सारे उपाय बरते गये :—

देश में ग्राम जल प्रदाय समस्या के सही सही निर्धारण के लिए राज्यों में ग्राम जल प्रदाय के विशेष जांच खण्ड स्थापित करने की एक योजना स्वीकृत की गई है। इसके लिए शतप्रतिशत केन्द्रीय सहायता दी जायेगी। ये खण्ड विशेषतया जलाभाव वाले क्षेत्रों के ग्राम जल प्रदाय से सम्बन्धित होंगे। वे प्रत्येक राज्य में ग्राम जल प्रदाय स्थिति का निर्धारण करेंगे, तथा यह बतलायेंगे कि इस समस्या को किस तरह और किस हद तक हल किया जायेगा। विशेष तकनीकी क्षेत्र कर्मचारी प्रारम्भिक निर्धारण के बाद शुरू किये जाने वाले सभी जल प्रदायों के लिए विस्तृत इंजीनियरी परियोजनाएँ तैयार करेंगे। अधिकांश राज्यों में ये खण्ड स्थापित किये जा चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में एक

समन्वय समिति स्थापित कर केन्द्र में जल प्रदाय से सम्बन्धित विभिन्न मंत्रालय के बीच समान्वय की व्यवस्था कर दी गई है। इस समिति में सम्बन्धित मंत्रालयों तथा योजना आयोग के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं।

उपर्युक्त विभिन्न ग्राम जल प्रदाय कार्यक्रम के बारे में राज्य सरकारें कार्यान्वयी अधिक-कारी हैं। इन परियोजनाओं का शीघ्र कार्यान्वयन राज्य सरकारों तथा परियोजनाओं को स्वीकृत करने वाले विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों के बीच निकट सम्पर्क तथा सहयोग पर निर्भर करता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये भारत सरकार ने श्री बलवन्तराय मेहता की अध्यक्षता में एक पेय जल बोर्ड स्थापित किया है। इस बोर्ड ने बहुत से राज्यों का दौरा कर लिया है तथा स्थानीय अधिकारियों से ग्राम जल प्रदाय की समस्याओं पर विचार विमर्श किया है।

**Dr. L. M. Singhvi:** May I know whether in the opinion of the Government the relatively meagre and unsatisfactory progress registered in rural water supply programmes were due to lack of co-ordination between different departments of the Government and between the State and Union Governments and, if that is so, whether the present procedures, as indicated in the statement, are found to be sufficient and satisfactory?

**Dr. Sushila Nayar:** Sir, lack of co-ordination might have played some part in it. We are trying to improve co-ordination and the steps taken in that direction have been described here.

**Mr. Speaker:** Dr. Singhvi.

**Shri D. C. Sharma:** What is happening, Sir?

**Mr. Speaker:** The Secretary has sometimes to get some information for the benefit of hon. Members to help them discharge their duties.

**Dr. L. M. Singhvi:** May I know whether it is a fact that there are villages in Madhya Pradesh and

Rajasthan where people have to travel as much as 14 miles to fetch drinking water; if that is so, whether it is also true that this is due to the fact that all these years grants made for rural water supply have been allowed to lapse? What steps have been taken to remedy that?

**Dr. Sushila Nayar:** I could not say whether it is 14 miles or 15 miles but I do agree that there are areas in this country where people have to travel a long distance to bring drinking water. I do not think it is merely due to the fact that people did not want to do this work but the problem in these areas was very difficult. Wherever wells could be easily sunk, surely they were sunk and the most difficult areas were left behind. That is why we have these Investigation Division's providing technical experts to investigate and formulate schemes for difficult areas.

**Dr. Gaitonde:** Is the hon. Minister aware of the fact that some other Ministry has conducted a survey of wells in Delhi and has found that most of the well are sub-standard?

**Dr. Sushila Nayar:** I do not think any other Ministry has done the work that the hon. Member mentions. Our own Ministry is aware of the fact that well water in Delhi is not very good. But in Delhi the problem of using water from wells is not there. Normally we are having piped water supply for Delhi.

**Shri P. R. Patel:** What grant was given to the State of Gujarat to remove the scarcity of water and out of that what amount has been utilised and what amount has lapsed in the last two years?

**Mr. Speaker:** It would not be possible to take individual States in this general question.

**Shri Jashvant Mehta:** The Committee has not submitted any interim recommendation. Some parts of Western India suffer from scarcity and in some parts there is also a permanent

shortage of water, say, in Bal area of Gujarat State. So, what steps is Government taking as an interim measure for providing water supply to these areas?

**Mr. Speaker:** If we go into each individual portion or area. . . .

**Shri Jashvant Mehta:** But Western India particularly is mentioned.

**Mr. Speaker:** Then as regards Western India particularly it might be answered.

**Dr. Sushila Nayar:** Some survey was made in the State of Rajasthan which gave a rough idea of the problem and the estimated expenditure. Something of that type was done in Maharashtra also. But detailed schemes as to how the problem is to be tackled have not been worked out and, as I said, earlier, Gujarat also falls in the same category—these Investigations Divisions to which we have given 100 per cent assistance have been made available to the States to work out the details.

**Shri Jashvant Mehta:** The question as regards the steps taken by Government as interim measures for these areas where there is no rain has not been replied to.

**Some Hon. Members rose—**

**Mr. Speaker:** I do really appreciate that there is so much thirst of water in all parts and inside the House, but all hon. Members should not stand up at one time. I can call only one hon. Member after another and not all of them together. Shri Barupal.

**श्री प० ला० बालूपाल :** क्या मंत्री महोदय को मालूम है कि राजस्थान के गांवों में ऐसे कुएं हैं, जिन का पानी पीने से पशु मर जाते हैं? क्या ऐसे कुओं का सर्वेक्षण करने का विचार है?

**अध्यक्ष महोदय :** यह सवाल माननीय सदस्य ने पहले भी किया था और उस का

जवाब मिल चुका है। बार बार उस को न दोहराया जायें।

**Dr. M. S. Aney:** May I know whether the inquiry report that has been made as regards Maharashtra was made before 1956 or after 1956 and whether that report contained anything about the eight districts that constitute the Vidarbha part also?

**Dr. Sushila Nayar:** I could not get it.

**Mr. Speaker:** I could not help her either.

**Dr. M. S. Aney:** You have just given the reply that some enquiries have been made as regards Maharashtra and some other parts also about water scarcity problems. I wanted to know whether the enquiry that has been made of Maharashtra was before the 8 districts of Vidarbha were added to Maharashtra or it was after that.

**Dr. Sushila Nayar:** I am afraid I do not know the dates on which this investigation was done. If the hon. Member wants, I will find out the dates and I shall let him have them.

**Shri Man Sinh P. Patel:** It is stated in the statement that there is no coordination of different schemes, such as, rural water supply schemes and water supply schemes of the community development programmes. Has it come to the light of the Government that after the community development schemes are introduced, on the contrary the rural water supply schemes are being closed in those areas in some of the States?

**Dr. Sushila Nayar:** I have noted what the hon. Member has stated. I will find out more about it.

**Shri Daji:** Is it a fact that some of the State Governments have asked for additional grants from the Centre for speeding up the programmes of rural water supply and, if so, what is the reaction of the Central Government?

**Dr. Sushila Nayar:** All that I can say is that we have not turned down any good schemes for rural water supply up till now. But schemes have to be acceptable from the technical point of view to the experts and the materials for executing those schemes have to be available.

**श्री भानु प्रकाश सिंह :** मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में अभी तक कितने ट्यूबवैल खोदे गए हैं और उन से जनता को कितनी राहत मिली है ?

**अध्यक्ष महोदय :** जनता को कितनी राहत मिली है, यह तो आप ही बता सकेंगे इनसे बेहतर।

**श्री भानु प्रकाश सिंह :** नम्बर तो बता दें।

**अध्यक्ष महोदय :** कितने कुएँ खोदे गये हैं ; क्या यह इनफार्मेशन आपके पास है ?

**डा० सुशीला नायर :** जी नहीं।

**Shri Shivaji Rao S. Deshmukh:** May I know whether it is a fact that in Purna valley of Maharashtra, in Vidarbha, which involves 2 lakhs of people and 300 villages, there is water supply which is affected by salinity which is injurious to human and animal health?

**Mr. Speaker:** I have already ruled that if we were to take up particular parts of the States, it would be difficult to answer.

**Shri Shivaji Rao S. Deshmukh:** It is purely a human question where 2 lakhs of people are suffering because of water supply which is affected by salinity.

**Mr. Speaker:** Order, order. Next Question. Shri Barupal.

**Shri Shivaji Rao S. Deshmukh:** Though it relates to a particular area, my question is that salinity affects the

health of human beings and also the animals.

**Mr. Speaker:** That the Minister will note. Next question.

#### Ghaggar River

- +
- \*636. { **Shri P. L. Barupal:**  
**Shri Samnani:**  
**Shri Bhakt Darshan:**  
**Shri Hem Raj:**  
**Shri Naval Prabhakar:**  
**Shri Karni Singh Ji:**

Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a scheme has been formulated to check the flood waters from Ghaggar river that flows through Ottu dam in Punjab;

(b) whether the Rajasthan State Government have sent any scheme to the Central Government; and

(c) if so, the estimated cost of the said scheme and the steps being taken by Government to implement the same?

**The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao):** (a) No Scheme for control of Ghaggar Flood has yet been finalised.

(b) Yes, Sir.

(c) The estimated cost of the scheme is Rs. 470.98 lakhs. The scheme is under examination.

**श्री प० ला० बारूपाल :** क्या यह सही है कि इस बरस घघ्वर की बाढ़ से गंगानगर जिले में ७०,००० एकड़ भूमि जलमग्न हो गई है, यदि हाँ, तो इससे कितना नुकसान हुआ है ?

**Dr. K. L. Rao:** I have not got any information from the States as such. The information will be sought for and given to the Member.

**श्री प० ला० बारूपाल :** सरकार ने जो योजना बनाई है, यह कब तक लागू की जाएगी ?